Khwaja Moinuddin Chishti Language University,

Awadh Incubation Foundation

Healthcare innovation

An incubated startup of the Awadh Incubation Center at KMCLU, Equity Nuketer OPIC Private Limited, has achieved a major milestone in neonatal healthcare innovation.

Acuity Neocare को नवजात शिशु देखभाल नवाचार में स्वीकृतियाँ प्राप्त

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ आधारित मेड-टेक स्टार्टअप Acuity Neocare OPC Private Limited ने भारत में नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अपनी यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव द्वारा स्थापित यह स्टार्टअप सार्वजनिक और संसाधन-सीमित स्वास्थ्य संस्थानों के लिए किफायती, एआई-सक्षम नवजात मॉनिटरिंग उपकरण विकसित करने पर केंद्रित है। अक्टूबर 2025 में इस स्टार्टअप को Awadh Incubation Foundation में इन्क्यूबेट किया गया। इन्क्यूबेशन के पश्चात प्रो. सैयद हैदर अली, वाइस चेयरमैन, Awadh Incubation Foundation, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सहयोग से 19 नवंबर 2025 को इसे उत्तर प्रदेश सरकार के आधिकारिक स्टार्टअप पोर्टल StartinUP पर पंजीकृत किया गया। स्टार्टअप ने 5 लाख के प्रोटोटाइप डेवलपमेंट ग्रांट हेतु राज्य की मूल्यांकन समिति के दोनों चरण सफलतापूर्वक पार किए, जिसमें 29 जनवरी 2026 को आयोजित द्वितीय चरण की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव द्वारा की गई। 17 फरवरी 2026 को Acuity Neocare को भारत सरकार से टेस्ट लाइसेंस की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिससे कंपनी अपने नवजात शिशु देखभाल समाधानों के क्लिनिकल परीक्षण की दिशा में आगे बढ़ सकी। मजबूत संस्थागत और नियामकीय समर्थन के साथ, Acuity Neocare अब भारत के वंचित क्षेत्रों में नवजात शिशु देखभाल सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

Founded by neonatologists Dr. Geeta Mishra and Dr. Shachi Asthana, the startup is developing a low-cost, AI-based baby monitoring system designed especially for government and resource-limited hospitals. Incubated at KMCLU in October 2025, the startup received technical and business mentoring. It was later registered on the Government of Uttar Pradesh's "Startup in UP" portal and secured a ₹5 lakh Prototype Development Grant after successfully clearing both evaluation stages. On 17 February 2026, the company also received a Test License approval from the Government of India, enabling it to begin mechanical development of its neonatal care products.

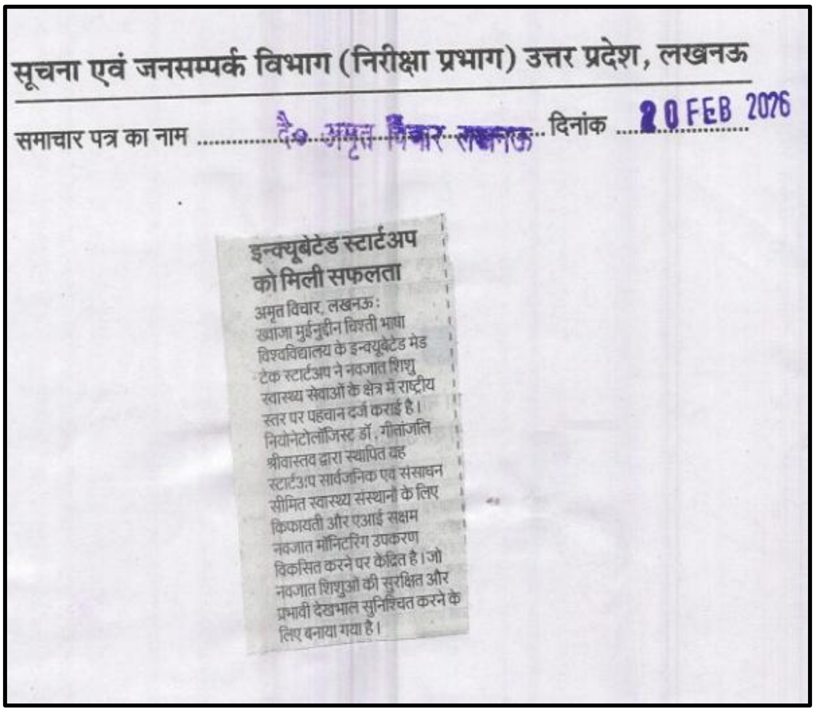

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै० अमृत विचार लखनऊ...... दिनांक ...20 FEB 2026...

इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप को मिली सफलता

अमृत विचार, लखनऊः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेटेड मेड टेक स्टार्टअप ने नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दर्ज कराई है। नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव द्वारा स्थापित यह स्टार्टअप सार्वजनिक एवं संसाधन सीमित स्वास्थ्य संस्थानों के लिए किफायती और एआई सक्षम नवजात मॉनिटरिंग उपकरण विकसित करने पर केंद्रित है। जो नवजात शिशुओं की सुरक्षित और प्रभावी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।

The Prototype Development Incentive application of Acuity Neocare OPC Private Limited, an incubated startup of Awadh Incubation Foundation (AIF), has been approved by the Policy Implementation Unit (PIU). Following evaluation by the PIU Committee, the application has

नवजात बच्चों के लिए तैयार किया मानीटरिंग सिस्टम

जागरण संवाददाता • लखनऊ : राजधानी के आशियाना निवासी नियोनेटोलाजिस्ट डा. गीतांजलि श्रीवास्तव ने नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रोटोटाइप एक्यूटी नियोकेयर मानीटरिंग सिस्टम विकसित किया है। उनके मुताबिक यह स्टार्टअप सार्वजनिक एवं संसाधन-सीमित स्वास्थ्य संस्थानों के लिए किफायती होगा जो नवजात शिशुओं की सुरक्षित और प्रभावी देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक अभिनव पहल है। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन में पंजीकृत इस इन्क्यूबेटेड मेड-टेक स्टार्टअप 'एक्यूटी नियोकेयर' को भारत सरकार ने गुरुवार को टेस्ट लाइसेंस भी दे दिया है। अब अप्रैल में हैदराबाद में इसका क्लीनिकल परीक्षण किया जाएगा।

तैयार किया गया प्रोडक्ट प्रोटोटाइप एक्यूटी नियोकेयर

नवाचार

- स्टार्टअप एक्यूटी नियोकेयर का क्लिनिकल परीक्षण अप्रैल में होगा
- भाषा विश्वविद्यालय के अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन में पंजीकृत है स्टार्टअप

नियोनेटोलाजिस्ट डा. गीतांजलि श्रीवास्तव ने बताया कि इस स्टार्टअप के तहत तैयार किए जा रहे नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए हाईवेयर नियोनेटल मानीटर और रियल टाइम साफ्टवेयर बना लिया गया है। जल्द ही पूरा सिस्टम तैयार हो जाएगा।

इस उपकरण की स्क्रिन पर नवजात शिशु के शरीर का तापमान, आक्सीजन स्तर, पल्स रेट आदि का चता चलेगा। यह सिस्टम उन छोटे अस्पतालों में अधिक फायदेमंद होगा, जहां भर्ती होने वाले नवजात शिशुओं की संख्या ज्यादा होगा। आगे इसे एआइ से भी जोड़ा जाएगा। भाषा विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रोफेसर सैयद हैदर अली बताते हैं कि इस स्टार्टअप को अक्टूबर 2025 में भाषा विश्वविद्यालय के अवध इक्यूबेशन फाउंडेशन में पंजीकृत किया गया था।

बीते 19 नवंबर को यह उत्तर प्रदेश सरकार के आधिकारिक स्टार्टअप पोर्टल भी पंजीकृत हुआ। स्टार्टअप ने राज्य सरकार की पांच लाख प्रोटोटाइप डेवलपमेंट ग्रांट के लिए भी आयोजित मूल्यांकन प्रक्रिया के दोनों चरण भी पार किए। अब भारत सरकार ने एक्यूटी नियोकेयर को टेस्ट लाइसेंस प्रदान किया गया, जिससे कंपनी अपने नवजात शिशु देखभाल समाधानों के क्लिनिकल परीक्षण की दिशा में आगे बढ़ सकी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने स्टार्टअप टीम को शुभकामनाएं दीं।

been processed and officially marked as "Approved" on the Startup Incentive Portal. This approval marks a significant milestone in the startup's product development journey.